मध्यकालीन भारत की सभ्यता एवं संस्कृति

राम किशोर पाण्डेय

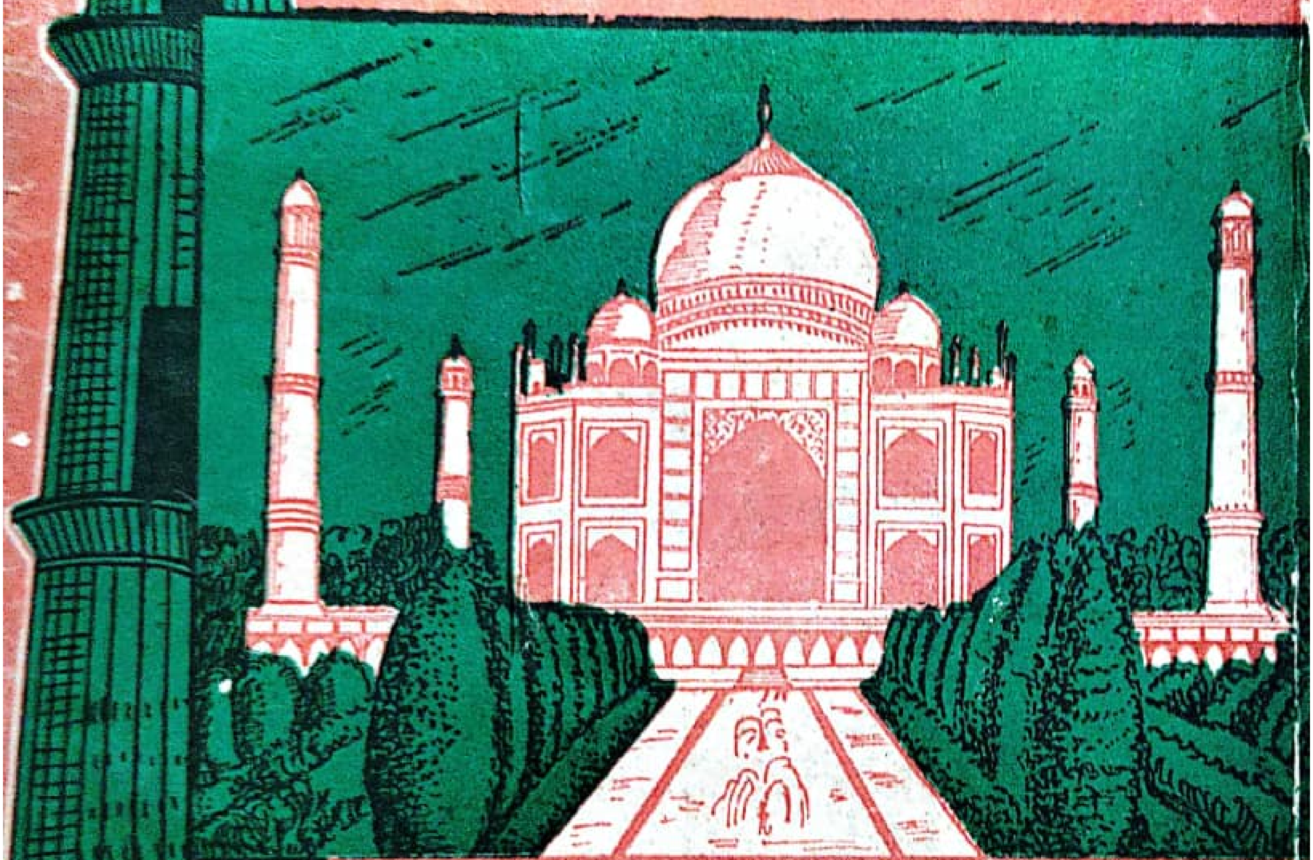

प्रकाश बुक डिपो, बरेली

Scanned with OKEN Scanner

© सर्वाधिकार सुरक्षित

द्वितीय स… १९८७

मूल्य : … Rs. 49/80

प्रकाशक : … बड़ा बाजार, बरेली ।

मुद्रक : आर० डी० गोयल प्रेस, मेरठ, न्यू अग्रवाल प्रेस, मेरठ एवं
न्यू रामा प्रेस, मेरठ ।

विषय सूची

(CONTENTS)

अध्याय 1 मध्यकालीन भारतीय संस्कृति के स्रोत 1–22

प्रश्न 1. मध्यकालीन संस्कृति के प्रमुख स्रोतों की विवेचना करते हुये उनके महत्व का मूल्यांकन कीजिये।

प्रश्न 2. मध्यकालीन भारत के सांस्कृतिक इतिहास जानने के लिये क्या साधन हैं ? फारसी साहित्य की उपयोगिता का मूल्यांकन कीजिये ।

प्रश्न 3. मध्यकालीन भारतीय संस्कृति के अध्ययन के मौलिक स्रोत का महत्व स्पष्ट कीजिये। विदेशी यात्रियों के विवरणों की उपयोगिता का मूल्यांकन कीजिये ।

प्रश्न 4. मध्यकालीन भारतीय संस्कृति के अध्याय में फारसी साहित्य की उपयोगिता का मूल्यांकन कीजिये।

प्रश्न 5. मध्य युग के प्रमुख ऐतिहासिक फारसी ग्रन्थों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये।

प्रश्न 6. अमीर खुसरो के जीवन एवं चरित्र का वर्णन कीजिये। मध्यकालीन भारतीय संस्कृति को उसकी क्या देन है ?

प्रश्न 7. अमीर खुसरो के ग्रन्थों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये और मध्यकालीन भारतीय संस्कृति में उसके योगदान का मूल्यांकन कीजिये।

अध्याय 2 मध्यकालीन राजनीतिक दशा एवं शासन-व्यवस्था 23–84

प्रश्न 1. मुसलमानों के आक्रमणों के समय उत्तरी भारत की राजनीतिक तथा सामाजिक दशा कैसी थी ? संक्षेप में वर्णन करो।

प्रश्न 2. 11वीं तथा 12वीं शताब्दी में मुस्लिम विजय के समय की उत्तरी भारत की राजनीतिक दशा का वर्णन करो।

प्रश्न 3. मुसलमानों के विरुद्ध राजपूतों की पराजय के क्या कारण थे ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न 4. हिन्दू शासक तुर्क आक्रमणकारियों को रोकने में क्यों असफल हुये, उनकी पराजय के क्या कारण थे ?

प्रश्न 5. "भारत में मुस्लिम राज्य, अन्यत्र की भाँति, धर्म सापेक्ष था।" इस कथन की विवेचना कीजिये।

प्रश्न 6. क्या भारत में मुस्लिम राज्य धर्मतन्त्रीय था ?

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 7. सल्तनत युग में खलीफा एवं राज्य के सम्बन्धों की विवेचना कीजिये ।
प्रश्न 8. दिल्ली सल्तनत की केन्द्रीय तथा प्रान्तीय शासन-व्यवस्था का संक्षेप में वर्णन करो ।
प्रश्न 9. मुस्लिम संप्रभुता के सार्वभौम सिद्धान्त की व्याख्या कीजिये तथा बताइये कि उसमें इमाम की क्या स्थिति थी ?
प्रश्न 10. मुस्लिम कर प्रणाली की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये ।
प्रश्न 11. जजिया से आप क्या समझते हैं ? तुर्की सुल्तानों ने हिन्दुओं से ही यह कर क्यों वसूल किया ?
प्रश्न 12. सल्तनत युग में 'भूमि-व्यवस्था' के विकास का विस्तारपूर्वक वर्णन करो ।
प्रश्न 13. दिल्ली सुल्तानों की 'भू-राजस्व' नीति की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये ।
प्रश्न 14. बलबन और अलाउद्दीन खिलजी के 'राज्य के दैवी सिद्धान्त' का तुलनात्मक अध्ययन कीजिये ।
प्रश्न 15. बाबर के आक्रमण के समय की भारत की राजनैतिक दशा का संक्षेप में वर्णन करो ।
प्रश्न 16. 16वीं शताब्दी में भारत की राजनैतिक दशा कैसी थी ? संक्षेप में लिखो ।
प्रश्न 17. मुगल साम्राज्य की केन्द्रीय शासन व्यवस्था का वर्णन करो ।
प्रश्न 18. मुगलों की केन्द्रीय शासन प्रणाली के संगठन की रूपरेखा पर सक्षेप में प्रकाश डालिये ।
प्रश्न 19. मुगलकालीन भारत में शासन व्यवस्था की रूपरेखा का संक्षेप में वर्णन कीजिये ।
प्रश्न 20. मुगलों की प्रान्तीय शासन व्यवस्था के संगठन पर प्रकाश डालिये ।

अध्याय 3. मध्यकालीन भारत की सामाजिक दशा 85–194

प्रश्न 1. तुर्कों के आक्रमण के समय की उत्तरी भारत के समाज की दशा का वर्णन कीजिये ।
प्रश्न 2. मुसलमानों के आक्रमण के पूर्व उत्तरी भारत के समाज की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिये ।
प्रश्न 3. सन् 1200 ई० से सन् 1626 ई० तक के हिन्दू समाज की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिये ।
प्रश्न 4. सल्तनतकालीन युग में भारत की सामाजिक एवं आर्थिक दशा पर संक्षेप में प्रकाश डालिये ।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 5. सुल्तान फिरोजशाह तुगलक कृत फतूहात-ए-फिरोजशाही से उत्तरी भारत के निवासियों के सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक जीवन पर क्या प्रकाश पड़ता है ? 99

प्रश्न 6. बाबर के आक्रमण के समय भारत की सामाजिक दशा पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 7. बाबर के संस्मरणों से तत्कालीन भारत की दशा पर क्या प्रकाश पड़ता है ?

प्रश्न 8. बाबरनामा का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये और इसकी ऐतिहासिक महत्ता पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 9. बाबर के संस्मरणों से हम उसके भारत के प्रति दृष्टिकोण तथा प्रकृति-प्रेम के बारे में क्या जान सकते हैं ? 104

प्रश्न 10. सल्तनत युग (1200–1526 ई०) में स्त्रियों की दशा पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिये। 113

प्रश्न 11. मुगलकाल में स्त्रियों की दशा पर संक्षेप में एक निबन्ध लिखिये।

प्रश्न 12. मुगलकालीन भारत (1526–1700 ई०) में स्त्रियों की दशा पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिये। 113

प्रश्न 13. मध्य युग में 'अमीरों' की स्थिति पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 14. दिल्ली सल्तनत पर तुर्की अमीरों के प्रभाव का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। 122

प्रश्न 15. मध्यकालीन भारत में दासों की स्थिति पर एक निबन्ध लिखिये।

प्रश्न 16. आपके अध्ययन काल में दासों की स्थिति क्या थी ?

प्रश्न 17. मध्ययुग में दास प्रथा का संक्षिप्त इतिहास लिखिये।

प्रश्न 18. भारत के प्रारम्भिक मुस्लिम सुल्तानों ने दास प्रथा की स्थापना कर उसे अपनी शक्ति का महत्वपूर्ण स्रोत बनाया और उसे एक उपयोगी संस्था के रूप में परिणित किया।" इस कथन के सन्दर्भ में यह स्पष्ट कीजिये कि दासों का व्यापक प्रभाव अन्त में सल्तनत के लिये हित न हो सका। 130

प्रश्न 19. सल्तनत काल में हिन्दुओं की दशा पर एक आलोचनात्मक निबन्ध लिखिये।

प्रश्न 20. मुगल काल में हिन्दुओं की दशा की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये।

प्रश्न 21. मध्यकालीन भारत में समाज के विभिन्न वर्गों के खान-पान, वस्त्राभूषण एवं मादक द्रव्यों पर एक निबन्ध लिखिये। 146

प्रश्न 22. मध्यकालीन भारत में लोगों के मनोविनोद एवं मनोरंजन के साधनों की व्याख्या कीजिये।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 16. "कबीर का लक्ष्य प्रेम-मूलक धर्म का प्रचार करना था, जो कि समस्त जातियों एवं वर्गों को एकता केसूत्र में संगठित करता है।" इस कथन की व्याख्या कीजिये।

प्रश्न 17. कबीर के जीवन एवं शिक्षाओं का वर्णन कीजिये। क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि वह एक साथ धार्मिक और सामाजिक सुधा-कर दोनों थे ?

प्रश्न 18. कबीर और गुरु नानक के धार्मिक विचारों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये।

प्रश्न 19. गुरु नानक के धार्मिक तथा सामाजिक विचारों पर प्रकाश डालिये। 239

प्रश्न 20. गुरु नानक के जीवन एवं शिक्षाओं पर एक निबन्ध लिखिये।

प्रश्न 21. गुरु नानक की शिक्षाओं के प्रमुख सिद्धान्त क्या थे ? मध्यकालीन भारत के इतिहास में उनका क्या महत्व है ?

प्रश्न 22. "गुरु नानक का उद्देश्य हिन्दू और मुसलमानों में एकता स्थापित करना था।" इस कथन का प्रमाणीकरण और आलोचना कीजिये।

प्रश्न 23. कबीर तथा नानक के धार्मिक एवं सामाजिक विचारों की तुलना कीजिये।

247

प्रश्न 24. कबीर तथा नानक के धार्मिक विचारों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये।

प्रश्न 25. चैतन्य महाप्रभु पर एक निबन्ध लिखिये। क्या वे इस्लाम से प्रभावित थे ?

252

प्रश्न 26. भक्ति आन्दोलन में चैतन्य महाप्रभु के योगदान का मूल्यांकन कीजिये।

प्रश्न 27. चैतन्य की शिक्षाओं के प्रमुख सिद्धान्त क्या थे ? मध्यकालीन भारत के इतिहास में उनके महत्व की व्याख्या कीजिये।

प्रश्न 28. चैतन्य महाप्रभु के जीवन एवं शिक्षाओं के सम्बन्ध में आप क्या जानते हैं ? मध्यकालीन भारत के सांस्कृतिक इतिहास में इनके महत्व का मूल्यांकन कीजिये।

प्रश्न 29. उत्तरी भारत की संस्कृति में चैतन्य की सफलता एवं असफलता के क्या कारण थे ?

प्रश्न 30. चैतन्य की शिक्षाओं एवं प्रभाव पर एक निबन्ध लिखो।

प्रश्न 31. "तुलसीदास के जीवन एवं रचनाओं पर एक आलोचनात्मक निबन्ध लिखिये। क्या यह सत्य है कि वह मध्यकालीन भारत की आत्मा थे 259

प्रश्न 32. "तुलसीदास अपने समय में अकबर से भी महान् व्यक्ति थे ।" इस कथन की पूर्ति करते हुये भारतीय जनसाधारण के हृदय एवं मस्तिष्क पर उनकी काव्यात्मक प्रतिभा के प्रभाव की विवेचना कीजिये ।

अध्याय 6. मध्यकालीन भारत की स्थापत्य कला 269–321

प्रश्न 1. सल्तनत युग में भारत की मुस्लिम स्थापत्य कला की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिये । 269

प्रश्न 2. दासयुगीन प्रमुख इमारतों का विवेचन करते हुये उनकी निर्माण-शैली के महत्व को स्पष्ट कीजिये ।

प्रश्न 3. तुगलक स्थापत्य कला की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिये ।

प्रश्न 4. 13वीं और 14वीं शताब्दी में भारत की मुस्लिम वास्तु कला की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिये । उस समय की इमारतों के संदर्भ में अपने उत्तर की पुष्टि कीजिये ।

प्रश्न 5. पूर्व मुगलकालीन भारत में दास वंश की वास्तुकला की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिये । अपने उत्तर की पुष्टि में उपयुक्त उदाहरण दीजिये और प्रत्येक स्मारक के ऐतिहासिक महत्व की विवेचना कीजिए ।

प्रश्न 6. दिल्ली सुल्तानों की इमारतों से उत्तरी भारत की वास्तुकला के उत्थान व पतन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

प्रश्न 7. तुगलककालीन वास्तुकला के स्मारकों के महत्व की संक्षेप में समीक्षा कीजिये और बताइये कि ये पूर्ववर्ती युग से किस प्रकार भिन्न हैं ?

प्रश्न 8. सल्तनत काल की स्थापत्य कला की, उस समय की प्रमुख इमारतों के सन्दर्भ में, प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिये ।

प्रश्न 9 प्रान्तीय राज्यों में स्थापत्य कला के विकास की विवेचना कीजिये । 293

प्रश्न 10. मुगल काल की स्थापत्य कला के विकास के विषय में आप क्या जानते हैं ? 297

प्रश्न 11. स्थापत्य कला के क्षेत्र में मुगलों की सफलता का संक्षेप में वर्णन कीजिये ।

प्रश्न 12. मुगल स्थापत्य कला की सामान्य विशेषतायें क्या हैं ?

प्रश्न 13. "मुगल काल में मुस्लिम स्थापत्य कला एवं हिन्दू स्थापत्य कला में समन्वय हुआ ।" क्या आप इस विचार से सहमत हैं ? अपने उत्तर की पुष्टि में उदाहरण प्रस्तुत कीजिये ।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 14. अकबर के शासन काल में मुगल स्थापत्य कला के विकास का संक्षेप में वर्णन कीजिये।

प्रश्न 15. अकबरकालीन स्थापत्य शैली के प्रमुख तत्व क्या थे ? अकबर द्वारा बनवाये गए स्थापत्य कला के कुछ प्रमुख नमूनों की विवेचना कीजिये ।

प्रश्न 16. फतेहपुर सीकरी की प्रमुख इमारतों का वर्णन करते हुये स्थापत्य कला के विकास में उनके महत्व का मूल्यांकन कीजिये ।

प्रश्न 17. मुगल स्थापत्य कला के क्षेत्र में अकबर की क्या देन है ?

प्रश्न 18. शाहजहाँ की प्रमुख इमारतों की विवेचना कीजिये तथा मुगल स्थापत्य कला के विकास में उनका महत्व बताइये । 309

प्रश्न 19. जहाँगीर से शाहजहाँ के समय तक मुगल स्थापत्य कला के विकास पर संक्षेप में प्रकाश डालिये ।

प्रश्न 20. 17वीं शताब्दी के मध्य तक मुगलों की स्थापत्य उपलब्धियों का मूल्यांकन कीजिये ।

प्रश्न 21. मुगल स्थापत्य कला को शाहजहाँ के योगदान की व्याख्या करो।

प्रश्न 22. शेरशाह सूरी की इमारतों का संक्षेप में वर्णन कीजिये । 320

अध्याय 7. मध्यकालीन भारत की चित्रकला एवं अन्य कलायें 322–345

प्रश्न 1. मुगलकालीन चित्रकला की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिये । 322

प्रश्न 2. अकबर और जहाँगीर के काल की चित्रकला का आलोचनात्मक विवरण दीजिये ।

प्रश्न 3. हुमायूँ तथा अकबर के समय में चित्रकला के विकास पर प्रकाश डालिये ।

प्रश्न 4. "जहाँगीर के समय में मुगलकालीन चित्रकला अपनी चरम सीमा पर पहुँच गई थी ।" इस कथन की व्याख्या कीजिये ।

प्रश्न 5. 1200 से 1700 ई० तक चित्रकला के विकास का इतिहास लिखिये ।

प्रश्न 6. अकबर और जहाँगीर के शासन काल में चित्रकला के विकास का निरूपण कीजिये और मुगलकालीन चित्रकला पर फारसी कला के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिये ।

प्रश्न 7. राजपूत चित्रकला पर संक्षेप में एक निबन्ध लिखिये । 334

प्रश्न 8. राजपूत चित्रकला की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिये । मुगल चित्र शैली से राजपूत शैली किस अर्थ में भिन्न है ? 335

प्रश्न 9. राजपूत कला मुगलकालीन चित्रकला से किस प्रकार भिन्न है ?

प्रश्न 10. राजपूत तथा मुगल चित्रकला की तुलना करो ।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 11. मुगलकालीन चित्रकला और राजपूत चित्रकला की विभिन्न विशेषताओं पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिये।

प्रश्न 12. मुगल शासन काल में संगीत तथा अन्य ललित कलाओं का आलोचनात्मक विवरण दीजिये। 338

प्रश्न 13. 1200-1700 ई० तक के समय में संगीत कला के विकास पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिये।

प्रश्न 14. निम्न विषयों पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिये—
(i) संगीत कला (ii) मूर्ति कला (iii) सुलेख (iv) बागवानी।

अध्याय–8 मध्यकालीन शिक्षा एवं साहित्य 346–408

प्रश्न 1. सल्तनत युग में शिक्षा और ज्ञान की दिशा का संक्षिप्त वर्णन कीजिये। 346

प्रश्न 2. दिल्ली सुल्तानों ने शिक्षा के प्रसार के लिये क्या प्रयास किये ? उनका वर्णन करो ?

प्रश्न 3. सल्तनतकालीन मुस्लिम शिक्षा प्रणाली का संक्षेप में वर्णन कीजिये। 356

प्रश्न 4. सल्तनत युग में साहित्य की प्रगति का विवरण दीजिये। 358

प्रश्न 5. सन् 1200 से 1526 ई० तक साहित्यिक उपलब्धियों का आलोचनात्मक वर्णन कीजिये।

प्रश्न 6. 13वीं तथा 14वीं शताब्दी के प्रमुख ऐतिहासिक फारसी ग्रन्थों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। 364

प्रश्न 7. मुगलों के समय में शिक्षा और ज्ञान की दशा का संक्षिप्त वर्णन कीजिये। 372

प्रश्न 8. मुगल काल में शिक्षा के विकास की विवेचना कीजिये।

प्रश्न 9. शिक्षा के प्रसार के लिये किये गये मुगल सम्राटों के प्रयासों का वर्णन कीजिये।

प्रश्न 10. मुगल काल (1526-1700) में मुस्लिम शिक्षा प्रणाली का वर्णन कीजिये। 382

प्रश्न 11. मुगल काल के साहित्यिक विकास का संक्षेप में वर्णन कीजिये। 388

प्रश्न 12. अकबर और जहांगीर के शासन काल में साहित्यिक विकास पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिये।

प्रश्न 13. "मुगल काल में सर्वोत्तम हिन्दी कविता की रचना हुई।" इस कथन की पुष्टि कीजिये और कारण स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न 14. "भारत के तैमूरवंशीय शासकों ने साहित्य के प्रत्येक क्षेत्र को संरक्षण एवं प्रोत्साहन दिया।" इस कथन की व्याख्या कीजिये।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 15. मुगलकाल के प्रमुख ऐतिहासिक ग्रन्थों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये ।
प्रश्न 16. मध्यकाल में उर्दू भाषा की उत्पत्ति एवं विकास पर एक समीक्षात्मक निबन्ध लिखिये । 399
प्रश्न 17. सन् 1200 से 1700 ई० के काल में स्त्री शिक्षा की क्या स्थिति थीं ? 405
प्रश्न 18. मध्यकालीन भारत में स्त्री शिक्षा पर एक निबन्ध लिखो ।
अध्याय 9 सूफी मत 409-429
प्रश्न 1. सूफी मत से आप क्या समझते हैं ? अपने अध्ययन काल में प्रचलित कुछ प्रमुख सूफी सम्प्रदायों का विवरण दीजिये । 409
प्रश्न 2. सूफी मत क्या है ? इस पर एक टिप्पणी लिखिये ।
प्रश्न 3. सूफी मत की प्रमुख विशेषताओं एवं सिद्धान्तों का विवरण दीजिये ।
प्रश्न 4. उन सूफी सम्प्रदायों का वर्णन कीजिये जो आपके अध्ययन काल में बहुत लोकप्रिय थे ? 416
प्रश्न 5. सूफी मत से आपका क्या तात्पर्य है ? भारत में चिश्ती सम्प्रदाय के विकास का वर्णन कीजिये । 422
प्रश्न 6. चिश्ती सम्प्रदाय की उत्पत्ति एवं विकास का विवरण दीजिये । भारत में इसकी लोकप्रियता का वर्णन कीजिये ।
प्रश्न 7. सूफी मत और निर्गुण सम्प्रदाय का तुलनात्मक विवेचन कीजिये । 427
अध्याय 10 इस्लाम का भारतीय संस्कृति पर प्रभाव 430-436
प्रश्न 1. "मध्यकालीन भारत के लिये मुगल साम्राज्य ने अनेक उत्तम एवं महान् कार्य किये ।" इस कथन की विवेचना कीजिये । 430
प्रश्न 2. मुस्लिम संस्कृति की भारत को क्या देन है ?
प्रश्न 3. इस्लाम के भारतीय संस्कृति पर पड़े स्थायी प्रभाव की विवेचना कीजिये ।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner